ASPA
Authentication Solution Providers' Association
Diverse technologies, common goal.

ASPA की कं?यूमर और इंड??ी क़ि?त कपेन "मेक ?योर इंडिया" का यूपी म□वि□तार

आगरा, 23 **जनवरी**, 2017 : ऑथेनटिकेशन सो□यूशन □ोवाइडस□असोसिएशन (एएसपीए) वि□व की पहली और एकमा□ □वनियं□ित गैरलाभकारी सं□था है, जो वि□व म□ पूण□ □प से ऑथेनटिकेशन सो□यूशन (□माणीकरण समाधान) देने वाली इंड□□ी का □तिनिधि□व करती है। एएसपीए□ने आज उ□र □देश म□कं□यूमर और इंड□□ी पर आधारित कपेन के वि□तार की घोषणा□ की। एएसपीए के इस अभियान से □ांड ओनस□को अलग-अलग □े□□ म□हो रही जालसाजी पर लगाम□लगाने□के□संबंध म□शिि□त किया जा रहा है। वह इस कपेन से ऑथेनटिकेशन सो□यूशन के मह□व और लाभ को समझ सकगे। इससे देश म□उपभो□ताओं के जीवन की तो र□ा होगी ही, □ांड की □ति□ठा और रेवे□यू की भी र□ा होगी।□आज□एएसपीए की सद□य कपनियां दुनिया भर म□10 हजार से □यादा □ांड की र□ा कर रही है।

इस□मौके□पर□एएसपीए□के□एएसपीए के उपा□य□ □ी नकुल पसरीचा ने कहा कि नामी □□स से मिलते-जुलते ?ॉड??स बनाने की जालसाजी वि?व म?सालाना 3 फीसदी की दर से बढ़ रही है। भारत म?यह सम?या ?यादा गंभीर है। यहां जालसाजी करीब 44 फीसदी की दर से बढ़ रही है। इंड??ी की सं?था फि?की-कैसकेड के अनुसार जालसाजी की गतिविधिय? से भारत सरकार को साल????-12 के वि?ीय वष?म?26,190 करोड़ ₹ का घाटा हुआ, जो 2013-14 म□बढ़कर 39,239 करोड़ □पये तक पहुंच गया। 2 साल म□इस घाटे म□49.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

उ□ह□ने कहा कि दुनिया भर म□ यह □माणित हो चुका है कि जालसाजी या किसी □ांड से□ मिलती-जुलते नकली सामान बनाने से आतंकवाद भड़कता है या उसे शह मिलती है। हमारी सरकार की ओर से हाल म□उठाया□गया नोटबंदी का कदम जालसाजी और आतंकवाद पर लगाम लगाने की दिशा म□ मह□वपूण□ कदम था। खराब □वॉलिटी के नकली सामान बनने से हमारे □धानमं□ी के अभियान मेक इन इंडिया को भी ठेस पहुंचेगी। 2010 से लगातार भारत अमेरिका की उन देश□ की □ाथमिकता निगरानी सूची म□बना हुआ है, जहां इंटले□चुअल □ॉपट□ राइ□स या बौ□धकि संपदा अधिकार□ (आईपीआर) का उ□लंघन सबसे □यादा होता है। हाल ही की एक रिपोट□ म□ यह भी उ□लेख किया गया था कि भारत वि□व म□नकली सामान का पांचवा बड़ा नियात□क है।

ASPA
Authentication Solution Providers' Association
Diverse technologies, common goal.

ी पसरीचा ने कहा कि हम धानमंी की पहल"मेक इन इंडिया" की सराहना करते ह। हालांकि यह सुनिचित कराने की जरत है कि मेड का इंडिया का लेबल लगे यह उपाद तब तक असली, सुरित और थायी हो, जब तक इनकी डिलिवरी अंतिम उपभोता तक न हो जाए।

इस समया से निजात पाने के लिए गैर लाभकारी संथा कै तौर पर हम विव तर के और नई पीढ़ी म भावी माणीकरण समाधान (ऑथेनटिकेशन सोयूशन) लाए ह, जिससे कंयूमर, ांड ओनस और सरकारी अधिकारी सश त बन और वे असली व ांडेड सामान की पहचान आसानी से कर सक। हम ांड और उपभोता के बीच की दूरी मोबाइल ऐप वेब एिलकेशन, एसएमएस समेत अय तरीक से ॉड स का वेरिफिकेशन या सयापन कर कम कर रहे ह।

एएसपीए के महासचिव ी अण अ वाल ने कहा कि भारत दुनिया म कंयूमर गु स का तेजी से बढ़ता हुआ मारट है। इसी वजह से नकली सामान के जालसाज हमारे देश की ओर आकषित होते ह, जिससे कंपनिय और उपभोता को काफी खतरा रहता है। फामायुटिक स बेबीकेयर और िकनकेयर ॉड स समेत जब हेथ केयर की बात आती है तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। रिपोट के अनुसार नकली सामान खरीदने वाले 80 फीसदी उपभोता म जालसाजी का शिकार बने। उहने नकली सामान इस विवास पर खरीदा था कि यह सामान असली है।

फामायुटिकल जालसाजी पर फोकस करने वाली विव संथा आईआरएसीएम के अनुसार नकली दवाइय का सालाना कारोबार 200 अरब तक पहुंच चुका है। हालांकि विव बाजार के 3 फीसदी की भारत म जालसाजी होती है। इस हिसाब से भारत का नकली दवाइय म 6 अरब डॉलर या करीब 41 हजार करोड़ ₹ का शेयर है। यह उयोग को बड़ा नुकसान है। अब भारतीय मरीज के साथ इंडियन फामाइंड ी के वाय की र ा करने के लिए ठोस यास करने और कड़े नियम बनाने का समय आ गया है।

ई-कॉमस भारत म तेजी से बढ़ रहा है। उर देश उरी भारत का तेजी से बढ़ता हुआ मारट है, पर आजकल उपभोता के पास ॉड स के असली या नकली होने की पहचान करने का कोई तरीका नहीं है। जागकता के अभाव म निदष लोग अनजाने म असली सामान की कीमत पर नकली सामान खरीद लेते ह। हानि के सबसे बदतर उदाहरण मे से एक यह है कि नकली दवाइयां या बेबी फूड खरीदने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती है या जान भी जा सकती है।

ेस ऐंड ैक के साथ सियुरिटी होलो ाम, ओवीडी, िंटेड लेबल और माट लेबल जैसे माणीकरण समाधान का इतेमाल काट की पैकेजिंग को सुरित रखने के लिए होता है। फामायुटिकल इंड ी म हुई केस टडी से पता चला है कि माणीकरण समाधान अपनाने से बि ी म 50 फीसदी से यादा बढ़ोतरी का भाव पड़ा है। यादा से यादा अब इन

समाधान को अपनाने लगे ह॥ अब वह हर शीशी, बोतल, पैक या इंजे□शन की शीशी पर 2 डी और अ□फा □यूमैरिकल कोड के साथ हाई सि□युरिटी होलो□ाम लगाए□जाने□लगे ह॥

हमारा वि□वास है कि हमारा मीडिया नकली उ□पाद□ या फज□ द□तावेज□ की बुराई सामने लाने और क□ व रा□य सरकार के राज□व को सुर□ित करने म□महव□पूण□भूमिका निभा सकता है, जिससे दीघ□अवधि म□देश के नागरिक□ को लाभ□होगा।

?**यादा जानकारी के ?लए कृपया सं?लनक** 1 **पर जाएं**

एएसपीए के बारे म?

ऑथेनटिकेशन सो□यूशन □ोवाइडस□ असोसिएशन (एएसपीए) ऑथेनटिकेशन सो□यूशन □ोवाइडस□ की गैरलाभकारी सं□था है। इसकी □थापना 1998 म□ विभि□न □`□□ म□ □ॉड□□स की बढ़ती जालसाजी पर लगाम लगाने के मकसद से की गई। यह वि□व म□अपनी तरह की इकलौती सं□था है, जिसका फोकस मु□य □प से □ांड, रेवे□यू और द□तावेज□ की सुर□ा के लिए ऑथेनटिकेशन टे□नोलॉजी को अपनाने और उसे आगे बढ़ाने पर है।

ऑथेनटिकेशन सो□यूशन □ोवाइडस□के औ□योगिक निकाय के तौर पर एसपीए अपने सद□य□ को असली-नकली की पहचान करने के लिए बेहतर तरीक□ मानक□ और उ□नत टे□नॉलजी से कम कीमत वाले □भावी जालसाजी निरोधक समाधान अपनाने के लिए □ो□साहित करता है। असली □ॉड□□स और द□तावेज□ की पहचान से एएसपीए के सद□य दुनिया भर म□10 हजार से □यादा □ां□स की र□ा कर रहे ह॥ एएसपीए का काम इंटरनैशनल होलो□ाम मै□युफै□चरस□(आईएचएमए), काउंटरफिएट इंटेलिजेस □यूरो (सीआईबी) और इंटरपोल जैसी वै□वक □ाधिकरण□ के समान ही है। असली सामान और द□तावेज□ की पहचान के मा□यम से एएसपीए के सद□य 10 हजार से □यादा □ां□स की र□ा कर रहे ह॥

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.aspaglobal.com. पर□जाएं।□

संजीव सिंह
पीआर मं?ा
+91 9818430943
sanjiv@prmantra.com

सचिव □एएसपीए□
+91 9818971116
info@aspaglobal.com

सी□एस□जीना

संल□नक 1 : ता□कालिक संदभ□के लिए

टेबल□□-2013-14 म□इंडियन इंड□□ीज को बि□ी म□घाटा (□पये करोड़ म॥

इंड??ी	?व? वष-2013-14	□व□ वष-2011-12
एफएमसीजी पैके□ड सामान	21957	20378
एफएमसीजी पसन्नल गु□स	19243	15035
मोबाइल□फोन	19066	9042
शराब व पेय पदाथ	14140	5626
तंबाकू	13130	8965
ऑटो कंपोना□स	10501	9198
कं□यूटर हाडवेयर	7344	4725
कुल	1,05381	72969

टेबल□□-भारत सरकार को राज□व या टै□स के □प म□हुआ घाटा (□पये करोड़ म)

इंड□□ी	□व□ीय वष-2013-14 (ए)	□व□ीय वष-2011-12 (बी)	बदलाव(एबी)
एफएमसीजी पैके□ड सामान	6096	5660	436
एफएमसीजी पसन्नल गु□स	5953	4646	1307
मोबाइल□फोन	6704	3174	3530
शराब व पेय पदाथ	6309	2511	3798
तंबाकू	9139	6239	2900
ऑटो कंपोना□स	3113	2726	387
कं□यूटर हाडवेयर	1923	1234	689
कुल	39237	26190	13047

??य? और अ??य? कर शा?मल
??ोत ?फ?की कैसकेड ?रपोट?